# हिण्डौन को जिला बनाने की मांग, बाजार बंद रहे

## अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े मेडिकल एसोसिएशन आदि प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने भी समर्थन दिया

**हिण्डौन सिटी,** (निसं)। प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल हिण्डौन को जिला बनाने की मांग अब पूरे क्षेत्र के जन-जन द्वारा पुरजोर तरीके से उठाई जा रही है। इस मांग को लेकर हिण्डौन में सोमवार को हिण्डौन शहर सहित आसपास के कस्बों श्री महावीरजी सूरत और महू इब्राहिमपुर में भी बाजार पूरी तरह बंद रहे जिसमें अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े मेडिकल एसोसिएशन आदि प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने भी अपना समर्थन दिया। सभी व्यापारी वर्गों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर जिला बनाने की मांग को मजबूत किया।

जनसभा में व्यापारी, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, क्षेत्रवासियों के साथ राजनीतिक जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से कोतवाली थाना प्रभारी रामरूप मीणा के साथ पुलिस जाप्ता तैनात रहा। जनसभा में विधायक भरोसीलाल जाटव द्वारा मुख्यमंत्री को जिला बनाने के दिए गए प्रस्ताव पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर वक्ताओं ने मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान में नए 19 जिलों की घोषणा में हिण्डौन शामिल नहीं करने पर नाराजगी जताई। इसी दौरान डैंप रोड चौराहे पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने उद्बोधन में प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल हिण्डौन शहर को जिला बनाने की जरूरत जताई। इस दौरान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष नरसी पारासर ने कहा कि हिण्डौन को जिला बनाने की मांग को लेकर यदि मुख्यमंत्री से मिलने जयपुर चलना पड़े तो एक बस की जिम्मेदारी पूरी करेंगे। वहीं भाजपा नेता धर्मा ने हिण्डौन को जिला बनाने की घोषणा नहीं होती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान मंच पर अनिल गोयल, डॉ. वीरेंद्र तेवतिया, कल्याण सिंह डागुर, भगत सिंह, मुनीमखान, वीरसिंह जाटव, फुले ब्रिगेड के प्रदेश प्रवक्ता महेश चन्द सैनी, नरेश गुर्जर सहित कई प्रबुद्ध लोगों ने विचार व्यक्त किए। जनसभा में व्यापार महासंघ से अजय मित्तल, नरेन्द्र जैन, अमर सिंह धाकड़, शिवप्रकाश पटवा, महाराज सिंह छाबड़ी, बलवीर चतुर्वेदी, दिनेश चन्द सैनी आदि ने सहयोग किया। जनसभा के दौरान श्याम भक्तों ने उपस्थित लोगों को ताजा छाछ वितरित की। एक साथ गर्मी के प्रकोप बढ़ने के साथ ही सभा में शामिल लोगों को प्यास लगने पर श्याम भक्तों की ओर से उपलब्ध कराई गई।

हिण्डौन को जिला बनाने की मांग को लेकर बाजार बंद रहे।

# आठ गांवों के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन दिया

## नवगठित नीमकाथाना जिला से हटाकर झुंझुनूं जिला में शामिल करने की मांग

**झुंझुनूं,** (निसं)। नीमकाथाना से हटाओ झुंझुनूं में मिलाओ संघर्ष समिति, उतर पश्चिम क्षेत्र तहसील खेतड़ी के तत्वावधान में सोमवार को आठ ग्राम पंचायतों बडाऊ, रसुलपुर, नंगली सलेदीसिंह, चारावास, लोयल, मानोता जाटान, देवता व जसरापुर के राजस्व ग्रामों मानोता जाटान, ढाणी बाढान, लोयल, श्रीसरदारपुरा, चारावास, हरीनगर, नंगली सलेदीसिंह, चरणसिंहनगर, बडाऊ, रसुलपुर, कृष्णनगर, शिवनगर, जसरापुर, देवता, स्योलपुरा व घरडाना खुर्द ग्राम पंचायत के राजस्व ग्राम गोरधपुरा को नीमकाथाना से हटाकर झुंझुनूं जिला के चनाना में उप तहसील स्वीकृत करवाकर उसमें शामिल करने या फिर झुंझुनूं जिला की नजदीकी तहसीलों में शामिल करने की मांग को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन में संघर्ष समिति के अध्यक्ष कामरेड रामचंद्र कुलहरि, पूर्व प्रधान बजरंग सिंह चारावास, अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला उपाध्यक्ष कामरेड इंद्राज सिंह चारावास, इंकलाबी नौजवान सभा के जिला संयोजक कामरेड रविंद्र पायल, महेंद्र सिंह काजला सरपंच लोयल, बहादुर मल सरपंच मानोता जाटान, हरी सिंह मांठ सरपंच प्रतिनिधि चारावास, राजेश जांगिड सरपंच रसुलपुर, जितेंद्र सिंह सरपंच बडाऊ, केदारमल खिंची पूर्व सरपंच जसरापुर, राजकुमार ढाका पूर्व जिला पार्षद, बिशनाराम झाझड़िया व रामचंद्र कडवासरा सहित काफी तादाद में लोग शामिल थे।

संघर्ष समिति अध्यक्ष कामरेड रामचंद्र कुलहरि व पूर्व प्रधान बजरंग सिंह चारावास के नेतृत्व में संघर्ष समिति की तरफ से जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुडी को ज्ञापन देकर मांग की कि खेतडी तहसील की उतर पश्चिमी क्षेत्र की 8-9 ग्राम पंचायतों की दूरी नीमकाथाना से बहुत दूर है जबकि झुंझुनूं नजदीक है। भौगोलिक दृष्टि से अरावली पर्वत श्रृंखला इन ग्राम पंचायतों को नीमकाथाना से विभक्त कर झुंझुनूं में मिलाती हैं। नीमकाथाना सीधे जाने के लिए यातायात साधनों का अभाव है जबकि झुंझुनूं के लिए हर समय बसें जाती हैं। ज्ञापन में बताया गया कि नीमकाथाना क्षेत्र की भाषा व सांस्कृतिक पहचान हमारे क्षेत्र से मेल नहीं खाती जबकि झुंझुनूं से आत्मिक लगाव है।

जिला कलेक्टर ने रामलुभाया कमेटी को ज्ञापन भेजकर क्षेत्र की भावनाओं से अवगत करवाने का आश्वासन दिया है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष कामरेड रामचंद्र कुलहरि ने चेतावनी दी है कि अगर इस पर शिघ्र ही ध्यान नहीं दिया तो ये सभी ग्राम पंचायतों के ग्रामीण 20 अप्रेल से झुंझुनूं कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन पडाव डालेंगे।

# नशा मुक्ति केन्द्र के खिलाफ केस दर्ज

■ बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के प्रतापनगर स्थित नया सवेरा नशा मुक्ति केंद्र संचालक और अन्य पर बंधक बनाकर मारपीट करने का एक केस दर्ज हुआ है। यहां पर केंद्र पर रविवार को एक युवक को नशा छुड़ाने के लिए बंधक बनाकर मारपीट की जा रही थी। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। पीड़ित के भाई की तरफ से केस दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने अब जांच आरंभ की है।

बासनी मधुबन हाउसिंग बोर्ड निवासी संतोष मेवाड़ा पुत्र आसूराम मेवाड़ा की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। इसमें बताया कि उसके भाई भंवरलाल को नशा छुड़ाने के लिए प्रतापनगर स्थित नया सवेरा नशा मुक्ति केंद्र पर दाखिल करवाया गया था। मगर यहां पर नशा छुड़ाने के लिए बलपूर्वक कार्य किया जा रहा था। उसके भाई को बंधक बनाकर मारपीट की जा रही थी।

रविवार को वायरल हुए वीडियो में साफतौर पर देखा गया कि दो तीन युवक उसे लिटाकर पीट रहे है। एक युवक कमर पर चढ़ा है तो दूसरे पैरों को दबाया हुआ था। प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि केंद्र को चलाने वाले मोहन चौधरी एवं अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। केंद्र अवैध रूप से चल रहा है या नहीं, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

## चोरियों का खुलासा करने की मांग

**डूंगरपुर,** (निसं)। जिले के सीलोई गांव के ग्रामीण सोमवार को जिला कलेक्ट्री में पहुंचे। जहां जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गांव में हुई चोरियों का खुलासे की मांग रखी। ग्रामीणों ने चोरियों को जल्द खुलासा नहीं होने पर दी सडक जाम करने की चेतावनी दे डाली।

ज्ञापन में बताया कि एक वर्ष से चितरी थाना क्षेत्र के सिलाई गांव में चोरियां बढती जा रही है। इससे पूर्व पंचायत वासियों ने द्वारा मोरन नदी के तट पर कृषकों के पानी की मोटर व केबलों के चोरी होने की सूचना पुलिस थाना चितरी में ग्रामीणों ने दी थी, लेकिन उस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई जिससे चोरों के हौसलें बुलंद हो गए है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बढ ती चोरियों का आज तक खुलासा नहीं होने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई।

# रेलवे ने एक माह में बिना टिकिट 26 हजार यात्री पकड़े

**जोधपुर,** (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर मार्च में ट्रेनों में बिना और अनियमित टिकट पर यात्रा करते पाए जाने पर 26 हजार से भी अधिक यात्रियों से रेलवे ने एक करोड़ दस लाख रुपए का उल्लेखनीय राजस्व वसूल करने में सफलता हासिल की है। इसके साथ ही मंडल ने वित्तीय वर्ष2022-23का टिकट चेकिंग मद का राजस्व लक्ष्य प्राप्त ही नहीं अपितु पार भी कर लिया है।

मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि जोधपुर मंडल पर चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए गत वित्तीय वर्ष का टिकट चेकिंग आय का प्रदत्त लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस मद में मंडल को 8 करोड़ 53 लाख रुपए राजस्व का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले उसने निर्धारित अवधि में 8 करोड़ 83 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त किया है जो निर्धारित लक्ष्य से 4 फीसदी अधिक है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जितेंद्र मीणा ने इस संबंध में बताया कि डीआरएम पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर जोधपुर मंडल में चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत टिकट चेकिंग स्टाफ ने बिना और अनियमित टिकट पर यात्रा करते पाए जाने पर 26 हजार 833 यात्रियों से 1 करोड़ 10 लाख 74 हजार 228 रुपए का राजस्व अर्जित करने में सफलता हासिल की है। इनमें गंदगी फैलाने, बिना बुक अतिरिक्त समान के साथ यात्रा करने और ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर धूम्रपान करने वाले यात्री भी शामिल हैं।

मार्च में सघन टिकट जांच अभियान के दौरान मंडल पर बिना व अनियमित टिकट पर यात्रा करते 25 हजार 120 जने पकड़े गए। जिसमें इन यात्रियों से 45 लाख 86 हजार 488 रुपए किराया व 62 लाख 80 हजार जुर्माना सहित 1 करोड़ 8 लाख 66 हजार 488 रुपए वसूल किए गए। इस दौरान बिना बुक सामान के साथ यात्रा करते पाए गए 10 यात्रियों से 4 हजार 740 रुपए बतौर जुर्माना वसूल किए गए। मार्च में टिकट चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशनों व ट्रेनों में गंदगी फैलाने वाले कुल 1575 रेल यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ ने 1 लाख 76 हजार 300 रुपए का राजस्व वसूल किए। टिकट जांच अभियान के तहत धूम्रपान करते पकड़े गए 134 यात्रियों से रेलवे नियमानुसार 26 हजार 700 का जुर्माना वसूल किया गया। मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह का कहना है कि जोधपुर मंडल पर टिकट जांच अभियान से राजस्व के लक्ष्य की प्राप्ति पर खुशी है और इसे पूरा करने में टिकट चेकिंग स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## हादसे में एक की मौत, तीन घायल

**जोधपुर,** (कासं)। निकटवर्ती सुरपुरा कलां गांव की सरहद में मजदूरों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने साथी मजदूर की तरफ से चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

करवड़ थानाधिकारी बुद्धाराम ने बताया कि कमला नेहरू नगर, बंगाली क्वार्टर के समीप रहने वाले शेख वाजिद मोहम्मद पुत्र मुमताज मोहम्मद की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। इसमें बताया कि उसके साथी मजदूर मसूरिया निवासी पुखाराम, सुरेश, धनराज एवं सद्दाम आदि ट्रक टाटा 709 में सवार होकर सुरपुरकलां गांव से निकल रहे थे। ट्रक को मोहम्मद शाकिर चला रहा था। सुरपुरकलां गांव की सरहद में पहुंचने पर हादसा हो गया।

# इंदिरा रसोई में निर्धारित दर से अधिक राशि की वसूली

■ निर्धारित आठ रुपये की दर से भोजन नहीं करा कर लोगों से 10 रुपये वसूल कर रहे हैं

**करौली,** (निस)। करौली जिला मुख्यालय पर नगर परिषद द्वारा संचालित इंदिरा रसोई संचालक आमजन से सरकार द्वारा निर्धारित 8 रुपये की दर से भोजन नहीं करा कर लोगों से 10 रुपये प्रति व्यक्ति वसूल रहे हैं यही नहीं खाने में दाल और सब्जी की स्थिति देख ले तो दाल में दाल के दाने कम पानी पानी नजर आता है यही नहीं जब व्यक्ति इंदिरा रसोई में खाने के लिए पहुंचता है तो पहले उसे टोकन कटवाना पड़ता है।

उसकी एवज में रसोई संचालक 8 रुपये के स्थान पर 10 रुपये वसूलते हैं और जब वह व्यक्ति खाना खाकर बाहर की तरफ निकलता है तो उसे एक बार फिर कंप्यूटर पर लगे कैमरे के सामने टोंकन पूर्ति के लिये बैठना पड़ता है। जिसका सीधा-सीधा उद्देश्य है कि रसोई संचालक एक डाइट के स्थान पर डबल डाइट दिखा रहे हैं।

सबसे बड़ी गंभीर बात तो यह है कि मंडरायल रोड स्थित जिला अस्पताल में संचालित इंदिरा रसोई में व्यक्ति 10 रुपये में तो भोजन कर रहा है लेकिन उसे खाने के साथ पीने के पानी को भटकना पड़ता है। रसोई संचालक ने अस्पताल में संचालित कैंटीन संचालक के साथ गड़बड़झाला कर पानी की सप्लाई नहीं दिखा कर रसोई में खाना खाने वाले व्यक्तियों को लोकल कंपनी की 20 रुपये में बोतल खरीदने को विवश कर रखा है।

जब इंदिरा रसोई में काम कर रहे लोगों से खाने के साथ पीने के पानी के लिए पूछा तो उन्होंने कहा कि यहां पीने के पानी की को व्यवस्था नहीं है। बोतल खरीद कर पानी पी लो। इस मामले को लेकर नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी से वार्ता करनी चाही तो उनके मोबाइल पर घंटियां बजती रही लेकिन उन्होंने फोन उठाकर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

## बुजुर्ग ने फांसी लगाई

**डूंगरपुर,** (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग ने अपने घर में फंदा लगा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना के समय वह घर पर अकेला था। बुजुर्ग के आत्महत्या करने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

थानाधिकारी ने बताया कि भाणासीमल निवासी कावा पुत्र नाना ननोमा ने रिपोर्ट दी है। उसने बताया कि वह पांच भाई थेए जिसमें वह सबसे बडा है। उससे छोटे रमेशए बहादुर, विजयपाल और राजाराम ननोमा थे। बहादुर, विजयपाल और राजाराम ननोमा की मौत पहले हो चुकी हैए जिनका परिवार गोरादा गांव में रहता है। रमेश भी गोरादा में रहता था और उसके आगे.पीछे कोई नहीं था। इसके कारण वह गोरादा से भाणासीमल आता रहता था।

# लूट की वारदात करने वाले गिरफ्तार

■ चार महिलाओं सहित 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार

■ गैंग ने महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान के अनेकों जगह पर चोरी की वारदात कबूली

**पाली,** (निसं)। पाली के गोल निम्बडा मां कृपा ज्वैलर्स के यहां लूट की वारदात करने वाले अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पुलिस द्वारा पर्दाफाश किया गया।

एसपी डॉ. गगनदीप सिंगला के निर्देश से सिटी कोतवाली थाना अधिकारी मय गठित टीम द्वारा मात्र 72 घंटे के भीतर ही आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई। गठित टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इन शातिर अंतरराज्यीय चोर गैंग को टोंक से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उक्त गैंग ने महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान के अनेकों जगह पर चोरी की वारदात करना कबूल किया। उक्त गैंग द्वारा अनेक धार्मिक स्थानों पर भी चोरी की वारदात करना कबूल किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अंतरराज्यीय चोर गैंग से लगातार पूछताछ की जा रही जिससे और भी कई बड़ी चोरियों की वारदात के खुलासे के आसार लग रहे।

ज्वैलर्स की दुकान पर लूट करने वाले गिरोह को पुलिस ने पकड़ा।

# दिव्या मित्तल को मिली जमानत

**अजमेर,** (कासं)। नशीली दवा मामले में गैर कानूनी रूप से आरोपी को फायदा पहुंचाने के मामले में गिरफ्तार हुई एसओजी की निलम्बित एएसपी दिव्या मित्तल को सोमवार को एनडीपीएस कोर्ट ने राहत देते हुए दिव्या मित्तल को जमानत दे दी। जोधपुर एसओजी की टीम ने पिछले दिनों जमानत पर रिहा होते ही मित्तल को गिरफ्तार किया था।

दो करोड़ की रिश्वत मामले में निलंबित एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल को सोमवार को एनडीपीएस कोर्ट के जज खुशहाल सिंह ने रिहा करने का आदेश देते हुए टिप्पणी में कहा कि एसओजी ने कोई लिखित शिकायत और राज्य सरकार से पूर्व अनुमति पेश नहीं की थी, ऐसे में मित्तल को जमानत पर रिहा किया जाता है। मित्तल के वकील भगवान सिंह चौहान ने बताया कि कोर्ट में जज के समक्ष तर्क रखते हुए एनडीपीएस के मामले में निलंबित एएसपी मित्तल की गिरफ्तारी में जांच अधिकारी कमल तंवर की ओर से एनडीपीएस एक्ट 59 (3)की पालना नहीं की गई, जिस पर जज ने तर्कों से सहमत होते हुए दिव्या मित्तल की जमानत के आदेश दिए है। एडवोकेट चौहान ने कहा कि मित्तल को गिरफ्तार करने के बाद 4 अप्रैल को एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया गया था। जज की ओर से जांच अधिकारी तंवर को मौखिक फटकार भी लगाई थी।

चौहान ने बताया 59 (1) जमानती अपराध है, 59 (2) में दिव्या मित्तल से कुछ बरामदगी नहीं हुई है, इसलिए यह धारा लागू नहीं होती है, साथ ही 59(3) में आरोपी दिव्या के खिलाफ लिखित शिकायत देनी होती है, जो कोर्ट में पेश नहीं की गई है। वहीं मित्तल को मिली जान पर जांच अधिकारी कमल तंवर ने कहा कि कोर्ट द्वारा जो भी आदेश दिए गए हैं, उसका हम सम्मान करते हैं। इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती। एसओजी की ओर से नियमों के अनुसार ही दिव्या मित्तल को रामगंज के मुकदमे में गिरफ्तार किया गया था। अनुमति मिलते ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## दीवारों पर पेंटिंग की जांच की मांग

**अजमेर,** (निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ युवा नेता व मानव अधिकार परिषद के प्रदेश अध्यक्ष शैलेश गुप्ता ने नगर निगम आयुक्त जिलाधीश से स्मार्ट सिटी के तहत सावित्री स्कूल, जिलाधीश कार्यालय व जेल के बाहर 34 लाख रुपए दीवारों पर पेंटिंग पर जो खर्च किए गए हैं उसकी निष्पक्षता से जांच की जाये। शैलेश गुप्ता ने रोष प्रकट करते हुए कहां कि कुछ समय पहले अजमेर शहर के कई प्राइवेट, सरकारी कॉलेज एवं स्कूल के छात्र छात्राओं ने एवं सामाजिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने बढ़ -चढ़ कर सावित्री कॉलेज जिलाधीश कार्यालय के यहां पर वॉल पेंटिंग की थी।

इसमें सारा योगदान इन संस्थाओं का स्कूल कॉलेजों का था जबकि अभी 2 दिन पूर्व समाचार पत्रों में आया कि नगर निगम प्रशासन ने इन दीवारों पर जो पेंटिंग कराई है उस पर 34 लाख रुपए खर्च किए हैं। शैलेश गुप्ता ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर मुख्यमंत्री को स्वायत्त शासन मंत्री को इस बारे में ज्ञापन भेजकर इस पेंटिंग की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। शैलेश गुप्ता ने कहा कि जब अजमेर शहर की स्वयंसेवी संस्थाएं छात्र-छात्राएं फ्री में शहर को सुंदर बनाने में अपना योगदान निभा रही हैं तो फिर जनता का पैसा यू भ्रष्टाचार की भेंट क्यों चढ़ाया जा रहा है।

# निर्धारित समय से आठ घंटे बाद भी पेयजल सप्लाई नहीं मिलने से लोगों का गुस्सा फूटा

## आक्रोशित लोगों ने रात को जे.ई.एन. को बंधक बनाया तो शुरू की पेयजल सप्लाई

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। नहरबंदी के दौरान एक दिन छोड़कर पेयजल सप्लाई के शेड्यूल के कारण शहर में टेल पर बसी कॉलोनियों में पेयजल संकट गहराने लगा है। पुरानी आबादी के मोहरसिंह चौक, लीला चौक, धींगड़ा पार्क सहित कई इलाकों में निर्धारित समय से आठ घंटे बाद भी सप्लाई न मिलने से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मोहरसिंह चौक व आसपास के इलाकों से गुस्साए लोगों ने रात को विभाग के जेईएन हनुमान सिंह को बंधक बना लिया। जेईएन उस समय धींगड़ा पार्क में ओवरहैड टैंक पर ड्यूटी दे रहे थे। इधर चहल चौक के पास जलदाय विभाग की पाइप लाइन से पानी व्यर्थ बहने की शिकायत की गई है। पावर हाउस से थोड़ा आगे बड़ी पाइपलाइन से पानी व्यर्थ बहने की शिकायत सहायक अभियंता रुपेश बिश्नोई से भी की गई। राहगीर बलोर सिंह ने बताया कि एक तरफ तो जलदाय विभाग नहरबंदी के कारण एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई दे रहा है।

पुरानी आबादी के लोगों ने बताया कि पेयजल सप्लाई का समय दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक है, लेकिन 8 घंटे तक पानी नहीं आया। इस पर प्रभावित इलाके के लोगों ने मौके पर जाकर जेईएन से पानी चालू करने के लिए कहा। जेईएन ने पहले टैंक में पानी भरने और फिर सप्लाई देने की बात की। इस पर गुस्साए लोगों ने जेईएन पर जानबूझकर सप्लाई नहीं छोड़ने के आरोप लगाए। जेईएन हनुमान सिंह ने बताया कि ढींगड़ा पार्क ओवरहेड टैंक को भरने वाली मोटर शाम को खराब हो गई थी। इस कारण टैंक में समय से पानी नहीं भरा जा सका, जिससे सप्लाई देने में देरी हुई। उन्होंने बताया कि रात 11 सप्लाई शुरू की गई है, जो सुबह 3 बजे तक चलेगी।

एक्सईएन रवि बवेजा ने बताया कि जेईएन को टैंक भरवा कर पुरानी आबादी में पेयजल सप्लाई देने के लिए वहां भेजा था। लेकिन 15-20 लोगों ने टंकी भरने से पहले ही सप्लाई छोड़ने का दबाव बनाया। इस कारण जेईएन व उनकी टीम को परेशानी हुई। इससे पूर्व विभाग ने दिन में टेल पर बसी कॉलोनियों में टैंकरों से पानी आपूर्ति देना शुरू कर दिया था। जेसीटी मिल के सामने प्रतापनगर व चक 3 ई छोटी में टैंकरों से पानी की सप्लाई दी गई।

जलदाय विभाग के एक्सईएन रवि बवेजा ने बताया कि गर्मी के कारण कुछ मांग बढ़ी है। इस कारण टेल पर स्थित कॉलोनियों के आंशिक एरिया में पानी नहीं पहुंचने की शिकायत मिली है। वहां अतिरिक्त समय सप्लाई देने के साथ टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न इलाकों में तय समय पर पानी की सप्लाई के साथ ही लोग मोटरें चला लेते हैं। इस कारण टेल के घरों में पानी नहीं पहुंच पाता।

शहर प्रथम के प्रताप नगर की गली नंबर 3 में रविवार को 7वें दिन भी लोगों को विभाग की पाइपलाइन से पानी नहीं मिला। इस पर एक्सईएन के निर्देश पर जेईएन हनुमान सिंह ने 2 टैंकरों से वहां पानी की आपूर्ति करवाई। अनुसूचित जाति छात्रावास में भी रविवार को टैंकर से पानी सप्लाई दी गई। जेईएन ने बताया कि प्रताप नगर में करीब 30 साल पहले पानी की लाइन डाली गई थी। अब इसकी जांच कर समस्या दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसी प्रकार एसएसबी रोड स्थित शिवनगर में पानी नहीं आने की शिकायत पर सहायक अभियंता रुपेश बिश्नोई एक टैंकर पानी लेकर मौके पर पहुंचे और लोगों को पानी का वितरण करवाया। गुरुनानक बस्ती में दो दिन की राहत के बाद फिर गली नंबर 7,8 व 9 में पानी नहीं पहुंचा। पार्षद प्रतिनिधि अरविंद ने सहायक अभियंता एश्वर्य मिश्रा को समस्या से अवगत करवाया तो उन्होंने रात तक टैंकर से पानी भिजवाने का भरोसा दिलवाया। एईएन ने बताया कि अतिरिक्त सप्लाई दी जा रही है। इधर पावनधाम मंदिर रोड के पास की कॉलोनी में नगरपरिषद ने टैंकर से पानी पहुंचाया।

इस बीच कांग्रेस नेता अशोक चांडक ने प्रतापनगर व चमडिया पट्टी एरिया में जाकर लोगों से पेयजल संबंधी समस्या जानी और समाधान का प्रयास किया। दोनों जगह उन्होंने टैंकरों से पानी की व्यवस्था करवाई। प्रताप नगर गली नं. 3 निवासी सुनील ने बताया कि सुबह अशोक चांडक ने कॉलोनी में आकर पानी की समस्या की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने फायर ब्रिगेड से पानी का बड़ा टैंकर मंगवाया, लेकिन रास्ता नहीं मिलने के कारण यह टैंकर कॉलोनी तक नहीं पहुंच पाया। इसके बाद छोटे टैंकरों से पानी पहुंचा। इसी प्रकार पावन धाम रोड पर नशा मुक्ति केंद्र के पास की कॉलोनी में जनवादी महिला समिति की संयुक्त सचिव अपराजिता सैनी के नेतृत्व में लोगों ने कई दिन से पानी नहीं आने की शिकायत नगरपरिषद में की। इस पर अशोक चांडक ने मौके पर पहुंचकर लोगों से जनसुनवाई की और तुरंत ही फायर ब्रिगेड के टैंकर से पानी मंगवाकर वितरण करवाया।